(श्री बाबू राव परांजपे)

6. सड़कों में आवश्यक सुधार तथा निर्माण ।

7. रेलवे कालोनी में सीढ़ीदार पुल के स्थान पर ढलवां पुल का निर्माण ।

8. एक पुल स्टीम शेड से, यार्ड से होते हुए डीजल रोड न्यू लाइन के ऊपर से निर्माण कराया जाय, तथा दूसरा पुल न्यू यार्ड से कैरेज एण्ड वैगन पुराना सिक लाइन तक बनाया जाए ।

अत: रेल मंत्री जी से अनुरोध है कि यह कार्य अविलम्ब सम्पन्न करावें । इससे वहां के लोगों को सुविधा होगी ।

(vi) *Need to extend the measures taken by Port Commissioners for Western side to check erosion and to save villagers of Kakdwip on Eastern side of the river Muriganga*

SHRI NIRMAL SINHA (Mathurapur) : Mr. Chairman, Sir, near the Bay of Bengal the river Hoogly is bifurcated into two streams, the eastern one is called the Muriganga river flowing along side Kakdwip, Sagar and Namkhana Police Stations in 24 Parganas of West Bengal and falls in the Bay. This river is very broad, deep and bears under current. Now the mouzas Sibkalinagar, Lokshmipur, Madhusudanpur Uttar Chandrapur and Kalinagar of Kakdwip P.S. Choramara island of Sagar P.S. and the Western part of Mausuni island being by the side of this river are prone to severe erosion due to its powerful current. The Lohachara island of Sagar P.S. has been so badly eroded by the tremendous current of down Hoogly river that all the inhabitants had to be shifted elsewhere for safety. Gobardhanpur, Sitarampur, Buraburirtat etc. of Patharpritima P.S. are the victims of the furies of several other rivers of Sunderban All the semouzas of Sunderban Region are densely populated and their fertilse lands produce various types of crops. The mouzas of Kakdwip P.S. are just opposite the Haldia port. Though the port Commissioners are trying to reverberate the erosive functions of the current near Haldia by adopting Porcupine Process, yet their activities are confined to the western side of the river only, the eastern side mouzas of Subderban region are in great peril.

Under these aircumstances, I urge upon the Government of India to save the mouzas of Kakdwip P.S. on eastern bank of the river by extending the activities of Port commissioners and also save the areas mentioned above by adopting immediately necessary measures to check erosion and reverberate the erosive effects of the current of the rivers concerned.

(vii) *Need to solve the problem of acute water searcity in Danapur Cantt. and some areas of Patna.*

श्री रामावतार शास्त्री (पटना) : गर्मी का मौसम शुरू होते ही दानापुर छावनी बोर्ड एवं पटना नगर के दर्जनों मोहल्लों में पेयजल का अकाल पैदा हो गया है । नहाने धोने की बात तो दूर रही लोगों को पीने का जल भी नहीं मिल रहा है । सर्वत्र लोगों में हाहाकार है ।

दानापुर छावनी बोर्ड का प्रबन्ध भारत सरकार के अधीन है । फिर भी वहां के निवासियों को पिछले कई वर्षों से समय - समय पर और खास कर गर्मी के दिनों में पानी की कमी का सामना करना पड़ता है । विभिन्न तरीकों से मैंने दानापुर में पेयजल की कमी का सवाल उठाया है । सरकार ने कुछ माह पूर्व पानी की व्यवस्था करने के लिए छावनी बोर्ड को पौने तीन लाख रुपए की सहायता भी भेजी । परन्तु दुःख है कि पेयजल की व्यवस्था अब तक नहीं की जा सकी है ।

दानापुर छावनी बोर्ड के अन्तर्गत एक बड़ी टंकी एक लम्बे अर्से से बन कर तैयार है । परन्तु

अभी तक बार - बार के आश्वासन के बावजूद उक्त टंकी को चालू नहीं किया गया है। अगर नई टंकी को चालू कर दिया जाता तो आज वहाँ के निवासियों को पानी के अकाल का समाना नहीं करना पड़ता।

अतः रक्षा मन्त्री से मेरा अनुरोध है कि वे फौरन कारगर कदम उठावें ताकि पेय जल की कमी का अन्त किया जा सके और लोगों को पर्याप्त मात्रा में पानी मिलने लगे।

(viii) *Need to constitute a high level committee to look into complaints and grievances of telephone subscribers of Kanpur*

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर) : सभापति महोदय, मैं कानपुर निवासी टेलीफोन उपभोक्ताओं के लम्बे समय से चली आ रही कठिनाइयों की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। टेलीफोन का अक्सर खराब रहना तो पूरे देश में ही स्वाभाविक समस्या है किन्तु इस शहर में नियमित रूप से एक माह में दस दिन कम से कम टेलीफोन खराब रहते ही हैं, किन्तु टेलीफोन के बिल पूरी उदारता के साथ बनाए जाते हैं। जब उपभोक्ता इन बिलों के सम्बन्ध में टेलीफोन खराब होने के सम्बन्ध में उच्च अधिकारियों से सम्पर्क करना चाहते हैं तो लंबे - लंबे समय से उनका सम्पर्क ही इन व्यस्त अधिकारियों से नहीं हो पाता। 30 लाख की लागत से एक नए एक्सचेंज का निर्माण 80 में इस शहर में प्रारम्भ किया गया और वह निर्माण 82 में अधूरा ही छोड़ दिया गया। नयागंज कानपुर में एक नया एक्सचेंज बनाने का प्रस्ताव था किन्तु वह भी लागू नहीं किया गया। रेल लाइन के समीप होने का बहाना बनाकर प्रस्ताव को रद्दी की टोकरी में डाल दिया गया है, कानपुर में टेलीफोन की आय 1980-81 एवं 81-82 वर्ष की अपेक्षा 1982-83 एवं 83-84 में लगभग आधी रह गई है। उल्लेखनीय है कि गत फरवरी में जब संचार मन्त्री कानपुर पधारे थे तब इन टेलीफोन उपभोक्ताओं ने अपनी शिकायतें एवं आरोप उन के समक्ष रखे थे। किन्तु अभी तक उनकी शिकायतों को दूर नहीं किया गया है।

अतः मेरा सरकार से अनुरोध है कि कानपुर निवासी टेलीफोन उपभोक्ताओं की शिकायतों एवं आरोपों, जिन्हें वे सरकार के समक्ष प्रस्तुत कर चुके हैं, के लिए एक उच्च-स्तरीय समिति गठन की जाए और प्रशासनिक व्यवस्था को तत्काल चुस्त एवं क्रियाशील बनाया जाए ताकि इस नगर के निवासियों को राहत मिल सके।

14.19 hrs.

DEMANDS FOR GRANTS (GENERAL), 1984-85—*Contd.*

MINISTRY OF ENERGY—*Contd.*

MR. CHAIRMAN : We now take up further discussion and voting on the Demands for Grants under the control of the Ministry of Energy. Now Shri C.D. Patel.

SHRI C.D PATEL (Surat) : Sir, I rise to support the Demands for Grants in respect of the Ministry of Energy. So far as this Ministry's performance is concerned, in respect of crude oil, very deserving compliments have been paid by many of the hon. Members. These compliments are well-deserved.

So far as the production aspect is concerned, it is likely to be 26 million metric tonnes during next year. So, we feel that we are on our way to self-sufficiency, and we are awaiting the time when there will not be any import of this particular products because